साप्ताहिक

पृथ्वी पर हम सब समय माया के यात्री हैं

समय माया

R.N.I. No.: MPHIN/2006/20685

प्रधान संपादक- अजमेरा एस.पी. कुमार
B.COM., M.A., LLB, CAIIB, DLLLW&PM

Webite: www.samaymaya.com
Email: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

Cell: +91 9425125569
+91 9479535569

(C) All Copyrights reserved with chief editor, do not publish any matter without prior written permission

In case of any dispute, may be solved only in Indore Court Jurisdiction

वर्ष 18 | अंक 10 | प्रति सोमवार, इंदौर, 07 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ 8 | मूल्य 5/- रुपए

विश्व का सबसे शैतान अमेरिका हथियार बेच खुश

इजरायल हमास, रूस यूक्रेन युद्ध में हथियार अमेरिका के

इजराइल हमास युध्द बढ़ते 2 लेबनान ईरान यमन तक पहुंचा, रूस चीन उत्तरी कोरिया ईरान को मिल अमेरिका पर सीधा आक्रमण करना चाहिए। विश्व में संकर अमेरिका अपनी दादागिरी करने, अपने हथियार तेलगैस इलेक्ट्रॉनिक सामग्री दवाइयां स्वास्थ्य से संबंधित मशीनें कृषि बीज खाद दवाइयां अपने वैश्विक शैतान संगठनों, विश्व शैतान संघ, विश्व घातक संगठन वह अन्य जालसाज संगठनों के माध्यम से बैंचकर जबरदस्ती थोपकर अपनी मोटी कमाई कर अर्थव्यवस्था चलाता है। अमेरिका का पुराना इतिहास बताता है पहले पूरे विश्व में आतंकवादियों को पालना उनको हथियार देना दंगे फसाद करवाने का यह खेल पिछले साठ सालों से अनवरत चल रहा है। वर्तमान में रूस यूक्रेन युद्ध में अमेरिका ही अपने चिरशत्रु रूस को बर्बाद करने पिछले दो सालों से अनवरत हथियारों की सप्लाई कर युध्द की आग को जीवित किये हुए है।

जो दूसरी तरफ इजराइल का हमा स से युद्ध अब ईरान यमन सीरिया तक फैल चुका है। उसमें भी अमीर की हथियारों मिसाइल का टैंकों तोपों ड्रोनो का ही खुलकर इसराइल उपयोग कर रहा है।

अल जलजीरा की एक रिपोर्ट

बेरूत में रहने वाली रूसी शोधकर्ता और फ़ोटोग्राफ़र-डॉक्यूमेंट्री निर्माता अन्ना लेविना लेबनान पर इजरायल के हमले की तैयारी के लिए आपूर्ति का स्टॉक कर रही हैं, और पिछले अक्टूबर से ही उनके रसोईघर में गैर-विनाशकारी सामान पड़ा हुआ है, जब हिज़्बुल्लाह और इजरायल ने एक-दूसरे पर मिसाइलें दागनी शुरू की थीं। लेविना ने कहा, 'यह भावना, बेशक, अप्रिय है, लेकिन मैं इस पल का एक साल से इंतज़ार कर रही थी,' पिछले दो हफ़्तों में बेरूत सहित लेबनान के कई हिस्सों पर इजरायली मिसाइल हमलों में नाटकीय वृद्धि के बारे में, जिसमें 2,000 से ज़्यादा लोग मारे गए हैं। मंगलवार को, इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में ज़मीनी अभियान शुरू करने की भी घोषणा की, जहाँ उसके सैनिक तब से हिज़्बुल्लाह लड़ाकों के साथ युद्ध में उलझे हुए हैं। लेविना ने बताया कि कैसे इजरायल 'आवासीय इमारतों पर बमबारी कर रहा था, और अभी-अभी मेरे से तीन किलोमीटर दूर किसी मेडिकल सेंटर पर हवाई हमला हुआ।' उन्होंने कहा, 'मानवीय स्तर पर इससे निपटना मुश्किल है।' विश्लेषकों का कहना है कि रूस, उनके देश के लिए, इजरायल और उसके पड़ोसियों के बीच बढ़ता युद्ध रणनीतिक स्तर पर भी मुश्किल है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नेतृत्व में रूस की विदेश नीति 'बहुध्रुवीय दुनिया' के इर्द-गिर्द घूमती रही है, जो अमेरिका के नेतृत्व वाली विश्व व्यवस्था का विकल्प है। इजरायल और ईरान के बीच सीधे टकराव की बढ़ती संभावनाओं और युद्ध के लेबनान में भी निर्णायक रूप से फैलने के साथ, वैश्विक शक्ति के रूप में रूस के हितों के लिए इस नवीनतम संकट का क्या मतलब है?

(शेष पेज 2 पर)

12 अक्टूबर 2005 को सूचना अधिकार अधिनियम 2005 लागू हुआ... 19 साल गुजरे

धारा 4 के 25 बिंदुओं की जानकारी केंद्र व राज्यों के मंत्रालयों ने नहीं की घोषित

उच्च व सर्वोच्च न्यायालय से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री केंद्र व राज्यों के मंत्रालयों से निगमो पालिकाओं प्राधिकरणों, शिक्षण संस्थानों तक सबने बना दिया सूचना अधिकार कानून का मजाक

भारतीय संविधान में देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों के अंतर्गत सरकारों कीकर प्रणालीव जनता से वसूले गए करों के धन की उपयोगिता में पारदर्शिता के लिए देश के पट्टे की आजादी के 58 वर्ष बाद अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के भारत में खुले व्यापार व्यवसाय उद्योग स्थापित करने के आमंत्रण पर जब उन्होंने दवाब बनाया, तब भारत में मनमोहन सिंह सरकार ने सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 बना कानून के रूप में लागू करना पड़ा बेशक इससे पहले उसकी मांग भारत के अनेकों गैर सरकारी संगठन 1995 से कर रहे थे।

मध्य प्रदेश में दिग्विजय सिंह की सरकार ने 1998 में ही सिटीजन चार्टर के नाम से यह कानून लागू कर दिया था उसे समय यह देश का पहला राज्य था। जहां पर शासकीय कार्यालय को सूचना के अधिकार में जानकारी देने के लिए विधेयक कानून स्थापित कर दिया गया था पर इस कानून मेंना तो सूचना देने की समय सीमा थी और ना ही सूचना न देने पर वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत व अपील करने और जानबूझकर जानकारी न देने की दोषी पाये जाने पर कोई दंड की व्यवस्था थी। इसलिए अधिकांश शासकीय अधिकारी गंभीरता से इस कानून को मानते ही नहीं थे।जब पूरे भारत में 12 अप्रैल 2005 से इस कानून को लागू किया गया और 6 महीने उस कानून की तैयारी करने हर कार्यालय में सूचना अधिकार का स्वतंत्र कक्ष बनाने वह स्थाई रूप से कर्मचारी बढ़कर आवेदन लेने जानकारी देने पैसा जमा करवाने आदि की व्यवस्था में

(शेष पेज 6 पर)

आपराधिक प्रवृत्ति के मोदी-शाह का देश को नशे में डुबोने का षड़यंत्र

सरकारी जांच एजेंसियों व गुजरात पुलिस की कोई कार्यवाही नहीं, बेरोजगारों को नशे में डुबो बर्बाद कर रहे।

अडानी के मूंद्रा पोर्ट से लाखों करोड़ के नशे के आयात पर क्यों चुप मोदी

कोई भी स्मगलर कभी भी 3000 करोड़ का माल पहली बार में नहीं भेजता। पहले पोर्ट हेंडलिंग एजेंसी से सेटिंग होतीं है.. फिर वही लोग कस्टम वालों से सेटिंग बिठाते हैं.. तब छोटा ट्रायल के लिए कंसांइनमेन्ट आता है... सब ठीक रहा तो थोड़ा बड़ा.. फिर और बड़ा.. और जब रूट ओपरेशनल हो जाता है तब जाके बड़े कंसांइनमेन्ट आते हैं...

जहाँ माल पकड़ा गया अडानी के उस मुंद्रा पोर्ट का कोल टर्मिनल दुनियां का सबसे बड़ा टार्मिनल है और उसकी कुल कीमत 2,000 करोड़ है.. और हेरोइन कंसांइनमेन्ट की वेल्यू थी 3,000 करोड़.. सोचिये आज तक जितने कंसांइनमेन्ट निकले उनकी कुल कीमत क्या होंगी ? जिस धंधे के मात्र एक कंसांइनमेन्ट में पोर्ट का टर्मिनल ख़रीदा जा सकता है, आपको लगता है वो पोर्ट के मालिक से सीधा डील नहीं कर सकता ? अरे भैया वो आदमी पोर्ट ख़रीद सकता है...

सरकारी की बजाय प्राइवेट पोर्ट ही क्यों चुना.. क्योंकि सरकारी में बड़े अधिकारी तो फिक्स होते हैं लेकिन कौन छोटा अधिकारी कब ड्यूटी पे रहेगा उसकी 100% एकयुरेट जानकारी नहीं हो पाती.. लेकिन प्राइवेट पोर्ट हेंडलिंग एजेंसी के केस में उन्हें सूचना रहती है.. कस्टम और पोर्ट हेंडलिंग एजेंसी का इंटरेक्शन ज़्यादा होने से सेटिंग आसानी से बैठ जाती है.. डील करना आसान होता है..

सी पोर्ट का एरिया बहुत बड़ा होता है, जैटी पर माल उतारने से लेकर बॉन्डिंड वेयरहॉउस तक बहुत ऐसी जगह होतीं हैं जहाँ माल आसानी से आँखों से बचा रह सकता है यदि पोर्ट हेंडलिंग एजेंसी साथ हो...

(शेष पेज 7 पर)

साप्ताहिक समय माया

संपादकीय

धर्मांतांतरण गैंग के जाल में आसानी से फंस जाता है दलित-पिछड़ा हिन्दू

देश में अवैध ईसाई व मुस्लिम धर्मांतांतरण के गिरोह की जड़ें 1000साल से ज्यादा पुरानी व बेहद गहरी रही हैं। धर्मांतांतरण को बढ़ावा देने के लिये युरोपीय ईसाई व अरब और कई मुस्लिम देशों से भी हवाला आदि के माध्यम से मोटी रकम आती है।यह बात कोई दबी छिपी नहीं है,लेकिन इसके खिलाफ बने कानून कभी उतने कारगार नहीं रहे जिससे विदेशों से धर्मांतांतरण के लिये होने वाली फंडिंग को रोका जा सके।यही वजह थी लखनऊ की एटीएस-एनआईए कोर्ट ने अवैध तरीके से मतांतरण के खिलाफ सुनवाई पूरी की तो यहां भी इस बात का खुलासा हुआ कि विदेशी फंडिंग से धर्मांतांतरण कराने वाले के हाथ काफी लम्बे हैं। बहरहाल, एटीएस और एनआईए की अदालत ने विदेशी पैसे के सहारे अवैध धर्मांतांतरण कराने वाले 12 लोगों को उम्रकैद और चार लोगों को 10-10 साल की सजा सुनाई है, तो निश्चित रूप से इसका कुछ प्रभाव देखने को मिलेगा। प्रदेश में सुनियोजित ढंग से लोगों को प्रलोभन देकर धर्मांतांतरण करने के कई मामले प्रकाश में आ चुके हैं और जब एटीएस ने पहली बार एक साथ इतने लोगों को सजा दिलाने में सफलता हासिल की है, तो निश्चित रूप से ऐसी गतिविधियों में कमी आएगी। जिन लोगों को सजा हुई है, वे गिरोह के रूप में लोगों को बरगलाकर हिंदू से मुस्लिम बना रहे थे और उनके निशाने पर वह वंचित एवं दलित वर्ग था जो आसानी से थोड़ी बेहतर जिंदगी के लालच में उनके चंगुल में फंस जाता है। ऐसे लोगों का कितना ब्रेनवॉश कर दिया जाता है, इसे इस बात से ही समझा जा सकता है कि हिंदू से मुस्लिम बने युवाओं ने भी पूरी सक्रियता से धर्मांतांतरण में भाग लेना शुरू कर दिया था।

बहरहाल, धर्मांतांतरण के लिए विदेशी फंडिंग की बात पहले भी सामने आती रही है। एटीएस और एनआईए को अब इस पूरे नेटवर्क को खत्म करने की कोशिश करनी चाहिए। धर्मांतांतरण को लेकर योगी सरकार पहले से ही काफी सख्त है और इसीलिए राज्य में विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 लाया गया है। लोगों को अपनी इच्छा से कोई भी धर्म अपनाने का अधिकार है, लेकिन यदि इसके पीछे जबरदस्ती या लोभ हो तो इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। हर धर्म की अपनी मान्यताएं हैं और उनके प्रति लोगों की आस्था जुड़ी होती है, तो इसके पीछे कई कारण होते हैं। धर्म की जड़ों को उखाड़ना आसान नहीं है, लेकिन कुत्सित मानसिकता वाले ऐसा करने का प्रयास करते हैं। धर्मांतांतरण के कुत्सित प्रयास में लगे लोग वस्तुतः समाज में असंतुलन पैदा करना चाहते हैं, इसलिए इस पर हर तरह से सख्ती की जानी चाहिए।

उक्त मामले में यह भी पता चला है कि दिल्ली की एनजीओ के माध्यम से अवैध धर्मांतांतरण को बड़े पैमाने पर कराने के लिए विदेशी फंडिंग का गहरा जाल बुना गया था। एनजीओ संचालक मु.उमर गौतम व मेरठ के मौलाना कलीम सिद्दीकी ने मिलकर बड़े पैमाने पर विदेश से रकम जुटाई थी और उसे गिरोह के सदस्यों तक पहुंचाया जाता था, जिससे संगठित रूप से मूक-बधिर बच्चों, महिलाओं व कमजोर आय वर्ग के लोगों को डरा-धमका कर अथवा प्रलोभन देकर मतांतरण कराया जा सके।

हिंदू धर्म के लोगों को मुस्लिम समुदाय में शामिल कराने के इस खेल में हवाला के जरिये भी करोड़ों रुपये एजेंटों तक पहुंचाए गए थे। इस बेहद संगीन मामले में एटीएस की प्रभावी पैरवी का परिणाम रहा कि 11 सितंबर 2024 को उमर व कलीम समेत 16 आरोपितों को सजा सुनाई जा सकी। गौरतलब हो, अवैध मातांरण के षड्यंत्र की परतें जून, 2021 में पहली बार तक खुली थीं, जब गाजियाबाद के डासना स्थित शिव शक्ति धाम देवी मंदिर परिसर में खतरनाक इरादों से घुसने का प्रयास कर रहे दो संदिग्ध युवक विपुल विजय वर्गीय व कासिफ पकड़े गए थे। दोनों से पूछताछ में सामने आया था कि मूलरूप से नागपुर निवासी विपुल विजय वर्गीय कुछ वर्ष पूर्व मुस्लिम धर्म अपना चुका है और उसने गाजियाबाद में एक मुस्लिम युवती से शादी की है। कासिफ उसका साला था। दोनों से पूछताछ में ही विपुल का मतांतरण कराने वाले बाटला हाउस, जामिया नगर दिल्ली निवासी मोहम्मद उमर गौतम तथा ग्राम जोगाबाई जामिया नगर, दिल्ली निवासी मुफ्ती काजी जहांगीर आलम कासमी के नाम सामने आए थे।

विपुल का मतांतरण उमर ने कराया था और उसका नाम रमजान रख लिया था। उमर सी-2, जागाबाई एक्सटेंशन, जामिया दिल्ली में अपने अन्य सहयोगियों के साथ इस्लामिक दावा सेंटर नाम की संस्था का संचालन करता था। उमर के साथ इस खेल में मेरठ के मौलाना कलीम की बेहद सक्रिय भूमिका थी। कलीम जामिया ईमाम वलीउल्ला ट्रस्ट का संचालन करता था, जिसके खाते में फंडिंग होती थी। एटीएस की जांच में सामने आया था कि कलीम की ट्रेस्ट के डेढ़ करोड़ रुपये एकमुश्त बहरीन से भेजे गए थे। यह भी सामने आया था कि जिन संगठनों ने उमर गौतम की संस्था अल-हसन एजूकेशन एंड वेलफेयर फाउंडेशन को फंडिंग की थी, उन्हीं श्रोतों से मौलाना करीम की ट्रस्ट को भी फंडिंग की जा रही थी। मुजफ्फरनगर के ग्राम फूलत निवासी मौलाना कलीम सिद्दीकी अधिकतर दिल्ली में रहकर अपनी गतिविधियां संचालित करता था। कलीम की संस्था के खाते में 20 करोड़ रुपये से अधिक की फंडिंग के साक्ष्य मिले थे। उमर गौतम का सक्रिय साथी डा.फराज शाह को एटीएस ने महाराष्ट्र के यवतमाल से गिरफ्तार किया था। फराज ने एमबीबीएस किया था और अपने घर के पास ही क्लीनिक का संचालन करता था और अवैध मतांतरण से जुड़ी गतिविधियों में लिप्त था।

इस संबंध में डीजीपी उत्तर प्रदेश प्रशांत कुमार ने कहा कि एटीएस-एनआईए न्यायालय का निर्णय अवैध मतांतरण व विघटनकारी तत्वों के विरुद्ध यूपी एटीएस की प्रभावी कार्रवाई तथा गुणवत्तापूर्ण विवेचना पर मुहर लगाता है। अवैध मतांतरण सिंडिकेट के 16 आरोपियों को दोषी करार दिए जाने से स्पष्ट हो गया है कि उत्तर प्रदेश में असामाजिक तत्वों व राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए कोई जगह नहीं है।

इजरायल हमास, रूस यूक्रेन युद्ध में हथियार अमेरिका के

पेज 1 का शेष

अधिक वीडियो सेंटर फॉर इंटरनेशनल इंटरेक्शन एंड कोऑपरेशन के संस्थापक और डिगोरिया एक्सपर्ट क्लब थिंक टैंक के सदस्य एलेक्सी मालिनिन ने अल जजीरा से कहा, 'अरब-इजरायल संघर्ष का जारी बढ़ना रूस के लिए गंभीर चिंता का विषय है,' उन्होंने राजनयिक समाधान के लिए रूस के बार-बार आह्वान को ध्यान में रखा। 'हालांकि, इन प्रयासों को लगातार विरोध का सामना करना पड़ रहा है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका की लगभग किसी भी स्थिति में इजरायल का समर्थन करने की इच्छा में व्यक्त होता है, मुख्य रूप से सैन्य दृष्टि से। और यह समर्थन, जिसका बाद में लेबनान को युद्ध के मैदान में बदलने के लिए उपयोग किया जाता है, इस क्षेत्र में शांति सुनिश्चित करने की अमेरिका की इच्छा के बारे में सभी बयानों को नकार देता है। संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा इजरायल के लिए दृढ़ समर्थन के विपरीत, रूस के विदेश मंत्रालय ने लेबनान में इजरायली सैनिकों के प्रवेश की निंदा की है, और इजरायल से सैनिकों को वापस बुलाने का आग्रह किया है। इससे पहले, रूस ने हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह की हत्या की भी निंदा की थी, और कहा था कि इजरायल 'बाद में होने वाली वृद्धि के लिए पूरी तरह जिम्मेदार है'।

रूस को यूक्रेन पर अपने आक्रमण के लिए ईरान से महत्वपूर्ण सहायता मिली है, जो इस क्षेत्र में तेहरान के हितों से जुड़ी है।

बाकू, अज़रबैजान में स्थित मध्य पूर्व के एक स्वतंत्र रूसी विशेषज्ञ रुसलान सुलेमानोव ने कहा, 'रूस पिछले ढाई साल से ईरान के साथ घनिष्ठ सहयोग कर रहा है, लेकिन विशेष रूप से सैन्य क्षेत्र में।'

'ईरानी हथियारों की बहुत मांग है। उनकी इतनी मांग पहले कभी नहीं रही, और रूस ईरानी हथियारों पर निर्भर हो गया है।'

सुलेमानोव ने कहा कि ईरानी सैन्य प्रशिक्षक अब रूस का दौरा करते हैं और रूस के अंदर शाहद ड्रोन के उत्पादन के लिए एक कारखाना बनाने में मदद कर रहे हैं। सुलेमानोव ने कहा, 'परिणामस्वरूप, रूस मध्य पूर्व में ईरान के सहयोगियों जैसे हिज़्बुल्लाह आंदोलन का समर्थन करने के लिए मजबूर है।'

हालाँकि, मालिनिन और सुलेमानोव दोनों इस बात पर सहमत हैं कि रूस एक और युद्ध नहीं चाहता है।

सुलेमानोव ने कहा, 'मास्को को किसी बड़े तूफान में कोई दिलचस्पी नहीं है।' 'हमने इसे अप्रैल में देखा था। जब ऐसा लगा कि ईरान और इज़राइल पहले से ही एक बड़े युद्ध में प्रवेश कर रहे हैं, तो रूस ने स्पष्ट रूप से ईरान का पक्ष नहीं लिया। रूस ने ईरान और इज़राइल दोनों से संयम बरतने का आग्रह किया,' उन्होंने अप्रैल में दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर इज़राइल द्वारा हमला किए जाने के बाद भड़के तनाव का जिक्र करते हुए कहा, जिसमें वरिष्ठ ईरानी सैन्य कमांडर मारे गए, और ईरान ने पहली बार इज़राइल में मिसाइल दागकर जवाब दिया। साथ ही, सुलेमानोव ने कहा, 'रूस को मध्य पूर्व में अराजकता से लाभ होता है'। 'अमेरिकी अब यूक्रेन में युद्ध से विचलित हैं: उन्हें मध्य पूर्व में स्थिति को हल करने में बहुत समय बिताने की आवश्यकता है।' 'लेकिन साथ ही, क्रेमलिन डएक और.बड़ा युद्ध नहीं देखना चाहेगा,' उन्होंने जोर दिया। रूस और ईरान संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ परस्पर दुश्मनी रखते हैं। वे सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद के रूप में एक साझा सहयोगी भी हैं, जो अपने देश के गृहयुद्ध के दौरान हस्तक्षेप करते हैं। रूसी युद्धक विमानों ने विद्रोहियों के कब्ज़े वाले शहरों पर बमबारी की, जबकि हिज़्बुल्लाह ज़मीन पर उग्र रूप से लड़ रहा था। रूस के सीरिया में सामरिक हित हैं, जिसमें सैन्य ठिकानों के साथ-साथ तेल और गैस भंडार भी शामिल हैं। इज़राइल के साथ तनाव को कम करने के लिए, मास्को ने तेहरान के साथ अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके हिज़्बुल्लाह को सीरिया-इज़राइली सीमा से पीछे हटने के लिए राजी किया है। बेरूत स्थित रूसी शोधकर्ता लेविना ने कहा कि पर्यवेक्षकों के बीच एक राय है कि सीरिया को लेकर इज़राइल और रूस के बीच एक मौन समझ मौजूद है। उन्होंने रूस के खिलाफ़ युद्ध में यूक्रेन को सैन्य हार्डवेयर की आपूर्ति करने के लिए इज़राइल की अनिच्छा का हवाला दिया और कहा कि जब इज़राइल दक्षिणी सीरिया में हिज़्बुल्लाह के ठिकानों पर हमला करता है - जहाँ मास्को के सैनिक मौजूद हैं - 'रूस कुछ नहीं करता, बस उन्हें जाने देता है।

4,85,56,75,90,000.00/- की संपत्ति रखने वाले राकेश झुनझुनवाला के निधन से पहले के अंतिम शब्द

मैं व्यापार जगत में सफलता के शिखर पर पहुँच चुका हूँ। मेरा जीवन दूसरों की नज़र में एक उपलब्धि है। हालाँकि, काम के अलावा मेरे पास कोई खुशी नहीं थी। पैसे केवल एक सत्य हैं जिसका मैं उपयोग करता हूँ।

इस समय अस्पताल के बिस्तर पर लेटे हुए और अपनी पूरी जिंदगी को याद करते हुए, मुझे एहसास होता है कि मुझे जो पहचान और पैसे पर गर्व था, वह मृत्यु से पहले झूठा और बेकार हो गया है।

आप अपनी कार चलाने या पैसे कमाने के लिए किसी को किराए पर ले सकते हैं। लेकिन, आप किसी को पीड़ित होने और मरने के लिए किराए पर नहीं ले सकते।

खोई हुई भौतिक वस्तुएँ मिल सकती हैं। लेकिन एक चीज़ है, जो खो जाने पर कभी नहीं मिलती - और वह है 'जीवन'।

हम जीवन के किसी भी चरण में हों, समय के साथ हमें उस दिन का सामना करना होगा, जब दिल बंद हो जाएगा।

अपने परिवार, जीवनसाथी और दोस्तों से प्यार करें...?? उनके साथ अच्छा व्यवहार करें, उनके साथ धोखा न करें, बेईमानी या विश्वासघात कभी न करें।

जैसे-जैसे हम बड़े होते जाते हैं और समझदार बनते हैं, हमें धीरे-धीरे एहसास होता है कि 300 या 3000 या 2-4 लाख की कीमत की घड़ी पहनने से - सब कुछ एक ही समय को दर्शाता है।

हमारे पास 100 का पर्स हो या 500 का - अंदर सब कुछ समान होता है।

चाहे हम 5 लाख की कार चलाएँ या 50 लाख की कार चलाएँ। रास्ता और दूरी एक ही है और हम उसी मंजिल पर पहुँचते हैं। हम जिस घर में रहते हैं, चाहे वह 300 वर्ग फुट का हो या 3000 वर्ग फुट का - अकेलापन हर जगह समान है।

आपको एहसास होगा कि आपकी सच्ची आंतरिक खुशी इस दुनिया की भौतिक वस्तुओं से नहीं मिलती।

आप फर्स्ट क्लास या इकोनॉमी क्लास में उड़ान भरें, अगर विमान नीचे गिरता है तो आप भी उसके साथ नीचे ही जाएंगे।

इसलिए.. मैं आशा करता हूँ कि आपको एहसास होगा, आपके पास दोस्त, भाई और बहनें हैं, जिनके साथ आप बातें करते हैं, हंसते हैं, गाते हैं, सुख-दुख की बातें करते हैं,... यही सच्ची खुशी है!!

जीवन की एक निर्विवाद सच्चाई:

अपने बच्चों को केवल अमीर बनने के लिए शिक्षित न करें। उन्हें खुश रहना सिखाएँ। जब वे बड़े होंगे तो उन्हें चीज़ों की लागत नहीं, मूल्य की जानकारी होगी।

वाणिज्य कर विभाग तत्काल 40 नाकों को खोल इवे बिलों की जांच करें

अरबों के जीएसटी की लूट की छूट, सरकार चलाने 33 हजार करोड़ का ऋण

डेढ़ साल से एंटी इविजन को 68, 71 के पावर न दे, ट्रांसपोर्टों से मोटा कमीशन खा, कर चोरी नजर अंदाज

मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने पिछले 1 साल से कम समय में सरकार चलाने के नाम 33000 करोड रुपए का ऋण लेकर घी पीने के मानदंड जरूर स्थापित की है इस 33000 करोड रुपए का प्रति माह का ब्याज 330 करोड़ होने के साथ पूर्व से ही लगभग चार लाख करोड़ का कर्जा सरकार पर है जिसके प्रतिमाह लगभग 400 करोड रुपए प्रदेश के राजस्व का उसमें पहुंचाना पड़ता है। जबकि प्रदेश सरकार मध्य प्रदेश में केंद्र में लागुड़ों से 10 गुना ज्यादा न केवल परिवहन में चालानाडु व्यक्ति जो केंद्र के अनुसार ढाई सौ होनी चाहिए प्रदेश में ढाई हजार रुपए ली जाती है वाहनों के अंतरण पुनर्नवीनीकरण काजल रु.1000 है वहां सरकार 10 से रु.12000 तक वसूलते हैं। बल्कि पंजीयन विभाग में भी जहां केवल केंद्र में चार से 6% स्टांप शुल्क की वसूली की छूट दी गई है मध्य प्रदेश सरकार वहां पर भी 12% स्टांप ड्यूटी बसूलती है। 2% से लेकर 10-20% तक वहां बैठे उपपंजीयक के साथ एक परसेंट तक दूसरे लोग गुसलते हैं इस प्रकार मध्य प्रदेश में संपत्ति की खरीद बिक्री में 15% तक खर्च करता विक्रेता को चुकाना पड़ता है। वही हाल पेट्रोल डीजल गैस आदि पर भी प्रदेश सरकार केंद्र के कहने व दरें काम करने के बाद में भी दूसरे राज्यों की तरह 18-20% वेट वसूलने की अपेक्षा 36% वेट वसूलते हैं। शराब में भी सबसे ज्यादा कर मध्य प्रदेश में ठोकर जाते हैं वही हाल बिजली का है यहां पर भीदूसरे प्रदेशों को बेचे जाने में बिजली की कीमत से दुगनी कीमत उपभोक्ता को चुकानी पड़ती है

इतनी सारी लूट और डकैती के बाद में भी मध्य प्रदेश सरकार कर्ज लेने के लिएहर महीने 2 महीने में बाजार में दौड़ लगाती है जहां तक लाडली बहना मैं धन खर्च करने का सवाल है। तो वोटो की राजनीति करने के लिए ही स्वयं अपने भ्रष्टाचारों वुकर्मों को छुपाने सत्ता को अपने बाप की जागीर मान सत्ता हथियाने के इस षड्यंत्र को पूरा करने के लिए ही महिलाओं के वोट कब आने महिलाओं को भिखारी, निकम्मा और बेरोजगार बनाने के षड्यंत्र के साथ यथार्थ में भूखेरा जन पार्टी ने आम प्रदेश की महिलाओं की अपेक्षा अपने कार्यकर्ताओं को धन उपलब्ध कर का करवाने की नीयत से यह योजना शुरू की थी जिसे बंद कर दिया जाना चाहिए।

दूसरी तरफ मोदी ने बिना विधायक दल के चुनाव के पर्ची से पूर्व से ही कुख्यात भू कॉलोनी शिक्षा शराब खनन माफिया मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाया ही इसलिए ताकि वह उसके इसारे पर नाच कर प्रदेश का बिजली पानी खनिज भूमि परिवहन वह अन्य प्राकृतिक एवं सार्वजनिक संपत्तियों उसको सपने में कोई ना नुकुरी ना करें।

अब जब आपका ही घर मां आपराधिक मानसिकता का डकैत लुटेरा हो तो राज्यों के मुख्यमंत्री तोदो कदम आगे बढ़कर ज्यादा बड़ी डकैती डालेंगे और इस डकैती की श्रृंखला में मोदी के देश पर थोपे गए जीएसटी कानून में एक तरफ सारे करुण का पैसा सीधा केंद्र को जाएगा और केंद्र की इच्छा होगी तो वह राज्यों को देगा अन्यथाओं को रुला कर परेशान कर उन पर कर्ज लाने के लिए मजबूर करेगा दूसरी तरफ जैसा की सन 2006 में जीएसटी के बारे में लिख रहा थाकि यह कानून बहुराष्ट्रीय और पूंजीपति मित्रों के फायदे के लिए थोपा जाएगा और सारा पैसा ऑनलाइन के माध्यम से पहले केंद्र सरकार के पास पहुंचेगा फिर चाहेगी तो वह हिस्सा देगी और नहीं चाहेगी तो राज्य सरकारों के मुख्यमंत्री को घुटनों पर लाकर खड़ा कर जनता को परेशान करेगी। वह परिणाम सामने

है। जो केंद्र सरकार राज्यों के आयकर कस्टम सीएसटी आदि करो में केंद्र को केंद्र की योजनाओं के लिए जो पैसा देना चाहिए वह नहीं देती है।

दूसरी तरफ जहां पूर्वी कांग्रेस सरकार में ढाई सौ से ज्यादा सेवाओं व वस्तुओं पर वेट लगाया जाता था जीएसटी थोपने के बाद छोटे मध्यम उद्योगों, व्यापारियों बाजरो मंडियों को खत्म करने लगातार जीएसटी जिसे लगे अभी 7 साल 4 महीने हुए हैं इसके लगभग ढाई हजार दिनों में 7000 से ज्यादा संशोधन कर छोटे व्यापारियों को मारकर अपने पूंजीपति मित्रों बहुराष्ट्रीय कंपनियों के शॉपिंग मॉल चलाने का स्वतंत्र किया जा रहा है इस षड्यंत्र में प्रदेश की सरकार के मुख्यमंत्री प्रधान सचिव और आयुक्त भी दंडवत होकर साष्टांग प्रणाम करते हुए एक तरफ अपने ही विभाग के एंटी इविजन ब्यूरो को जिसका काम थाकि जीएसटी कानून की धारा 68 और 71 के अंतर्गत सीधे माल वाहकों को पड़कर वे उनकेकर चोरी को जानकर कर वा दंड वसूलें। परंतु मोदी के दानदाता मित्रों अंबानी अडानी टाटा बिरला के साथ विदेशी आईटीसी यूनिलीवर और बहुराष्ट्रीय कंपनियां अमेजॉन वॉलमार्ट फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों का मालन केवल ऑनलाइन बल्किगांव से लेकर शहरों की गली मोहल्ले की फुटकर बिक्री की दुकानों परजो पैकेज्ड माल बिक रहा है वह उनका है और वह कल कर चोरी कर सकें इसलिए उनका अधिकार नहीं दिए जाते दूसरी तरफ मोदी मित्रों अडानी अंबानी को कई माल की बिक्री उत्पादन आदि में जीएसटी करके छूट सीधे ही दे दी गई है।

जबकि वर्तमान में कर छोरी को देखते हुए सरकार को चाहिए कि वह प्रदेश के सारे 40 लाखों को खोलकर वहां पर अधिकारी बैठ कर सभी माल वाहकों के ई वे बिल की केवल जांच करें और अगर यह अधिकार व कार्य चौकिंया खोलकर पुनः स्थापित किया जाता है। तो लगभग सरकार कोबस भर में 10000 करोड रुपए से ज्यादा का और राजस्व प्राप्त हो सकता है।

इसके विपरीत गुजरात राजस्थान महाराष्ट्र से आने वाली ट्रकों की कर चोरी की जानकारी बिलों की छाया प्रति ट्रैकों के नंबर देने के बाद में भी यह हरामखोर भारतीय प्रताड़ना सेवा अधिकारी प्रमुख सचिव अमित तोमर वह वर्तमान वाणिज्य कर आयुक्त धनराजू कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं पिछली बार भी जो ट्रैकों की सूची छापी गई थी। जिसमें चार ट्रैकों को क्योंकि जानकारी सीएसटी को भी दी गई थी वह वाले वाले ही पीथमपुर से उठाकर ले गए। वैसे तो लोहे का स्क्रैप तैयार स्टील जो गुजरात महाराष्ट्र राजस्थान सेआता जाता है और खास तौर पर मोयरा सरिया शिवांगी और अनंत स्टील के साथ प्रदेश में अनेकों रोलिंग मिले हैं जहां बिना उचित कर भुगतान कर खुली खरीद बिक्री चलती रहती है और इस कार्य में एक बड़ा माफिया गिरोह जो प्रतिमाह मुख्यमंत्री वित्त मंत्री प्रधान सचिव आयुक्त के साथ क्षेत्र के संबंधित थानों मीडियम और एसडीएम को भी महीने का लगभग 50 करोड रुपए बनता हैसारा कार्य राजस्व की हानि पहुंचाकर किया जा रहा है।

बार-बार सूचना देने छापने के बाद में भी भारी त्योहारों के सीजन में पटाखों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक गुड्स जिसमें मोबाइल एसी कंप्यूटर लैपटॉप वह अन्य प्रकार की विद्युत की सामग्री फर्नीचर धातुओं के बर्तन वस्त्रों आभूषण आदि परमहीना खाकर खुली टैक्स चोरी की छूट जा रही है।

साप्ताहिक समय माया

पंचमुखी क्यों हुए हनुमान?

सबके संकटमोचक

लंका में महा बलशाली मेघनाद के साथ बड़ा ही भीषण युद्ध चला. अंततः मेघनाद मारा गया. रावण जो अब तक मद में चूर था राम सेना, खास तौर पर लक्ष्मण का पराक्रम सुनकर थोड़ा तनाव में आया.

रावण को कुछ दुःखी देखकर रावण की मां कैकसी ने उसके पाताल में बसे दो भाइयों अहिरावण और महिरावण की याद दिलाई. रावण को याद आया कि यह दोनों तो उसके बचपन के मित्र रहे हैं.

लंका का राजा बनने के बाद उनकी सुध ही नहीं रही थी. रावण यह भली प्रकार जानता था कि अहिरावण व महिरावण तंत्र-मंत्र के महा ज्ञाता है, जादू टोने के धनी और मां कामाक्षी के परम भक्त हैं.

रावण ने उन्हें बुलावा भेजा और कहा कि वह अपने छल बल, कौशल से श्री राम व लक्ष्मण का वध कर दे. यह बात दूतों के द्वारा विभीषण को पता लग गयी. युद्ध में अहिरावण व महिरावण जैसे परम मायावी के शामिल होने से विभीषण चिंता में पड़ गए.

विभीषण को लगा कि भगवान श्री राम और लक्ष्मण की सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी करनी पड़ेगी.

राम-लक्ष्मण की कुटिया लंका में सुवेल पर्वत पर बनी थी. हनुमान जी ने भगवान श्री राम की कुटिया के चारों ओर कड़ी सुरक्षा कर दी.

अहिरावण और महिरावण श्री राम और लक्ष्मण को मारने सुमेल पर्वत पर पहुंचे। किन्तु इतनी कड़ी सुरक्षा में वह कुटिया तक पहुँचने में असफल रहे. ऐसे में उन्होंने एक चाल चली. महिरावण विभीषण का रूप धर के कुटिया में घुस गया.

राम व लक्ष्मण पत्थर की सपाट शिलाओं पर गहरी नींद सो रहे थे. दोनों राक्षसों ने बिना आहट के शिला समेत दोनो भाइयों को उठा लिया और अपने निवास पाताल की और लेकर चल दिए.

विभीषण लगातार सतर्क थे. उन्हें कुछ देर में ही पता चल गया कि कोई अनहोनी घट चुकी है. विभीषण को महिरावण पर शक था, उन्हें राम-लक्ष्मण की जान की चिंता सताने लगी.

विभीषण ने हनुमान जी को महिरावण के बारे में बताते हुए कहा कि वे उसका पीछा करें. लंका में अपने रूप में घूमना राम भक्त हनुमान के लिए ठीक न था सो उन्होंने पक्षी का रूप धारण कर लिया और पक्षी का रूप में ही निकुंभला नगर पहुंच गये.

निकुंभला नगरी में पक्षी रूप धरे हनुमान जी ने कबूतर और कबूतरी को आपस में बतियाते सुना. कबूतर, कबूतरी से कह रहा था कि अब रावण की जीत पक्की है. अहिरावण व महिरावण राम-लक्ष्मण को बलि चढा देंगे. बस सारा युद्ध समाप्त.

कबूतर की बातों से ही बजरंग बली को पता चला कि दोनों राक्षस राम लक्ष्मण को सोते में ही उठाकर कामाक्षी देवी को बलि चढाने पाताल लोक ले गये हैं. हनुमान जी वायु वेग से रसातल की और बढे और तुरंत वहां पहुंचे.

हनुमान जी को रसातल के प्रवेश द्वार पर एक अद्भुत पहरेदार मिला. इसका आधा शरीर वानर का और आधा मछली का था. उसने हनुमान जी को पाताल में प्रवेश से रोक दिया.

द्वारपाल हनुमान जी से बोला कि मुझ को परास्त किए बिना तुम्हारा भीतर जाना असंभव है. दोनों में लड़ाई ठन गयी. हनुमान जी की आशा के विपरीत यह बड़ा ही बलशाली और कुशल योद्धा निकला.

दोनों ही बड़े बलशाली थे. दोनों में बहुत भयंकर युद्ध हुआ परंतु वह बजरंग बली के आगे न टिक सका. आखिर कार हनुमान जी ने उसे हरा तो दिया पर उस द्वारपाल की प्रशंसा करने से नहीं रह सके.

हनुमान जी ने उस वीर से पूछा कि हे वीर तुम अपना परिचय दो. तुम्हारा स्वरूप भी कुछ ऐसा है कि उससे कौतुहल हो रहा है. उस वीर ने उत्तर दिया- मैं हनुमान का पुत्र हूं और एक मछली से पैदा हुआ हूं. मेरा नाम है मकरध्वज.

हनुमान जी ने यह सुना तो आश्चर्य में पड़ गए. वह वीर की बात सुनने लगे. मकरध्वज ने कहा- लंका दहन के बाद हनुमान जी समुद्र में अपनी अग्नि शांत करने पहुंचे. उनके शरीर से पसीने के रूप में तेज गिरा.

उस समय मेरी मां ने आहार के लिए मुख खोला था. वह तेज मेरी माता ने अपने मुख में ले लिया और गर्भवती हो गई. उसी से मेरा जन्म हुआ है. हनुमान जी ने जब यह सुना तो मकरध्वज को बताया कि वह ही हनुमान हैं.

मकरध्वज ने हनुमान जी के चरण स्पर्श किए और हनुमान जी ने भी अपने बेटे को गले लगा लिया और वहां आने का पूरा कारण बताया. उन्होंने अपने पुत्र से कहा कि अपने पिता के स्वामी की रक्षा में सहायता करो.

मकरध्वज ने हनुमान जी को बताया कि कुछ ही देर में राक्षस बलि के लिए आने वाले हैं. बेहतर होगा कि आप रूप बदल कर कामाक्षी कें मंदिर में जा कर बैठ जाएं. उनको सारी पूजा झरोखे से करने को कहें.

हनुमान जी ने पहले तो मधु मक्खी का वेश धरा और मां कामाक्षी के मंदिर में घुस गये. हनुमान जी ने मां कामाक्षी को नमस्कार कर सफलता की कामना की और फिर पूछा- हे मां क्या आप वास्तव में श्री राम जी और लक्ष्मण जी की बलि चाहती हैं?

हनुमान जी के इस प्रश्न पर मां कामाक्षी ने उत्तर दिया कि नहीं. मैं तो दुष्ट अहिरावण व महिरावण की बलि चाहती हूं.यह दोनों मेरे भक्त तो हैं पर अधर्मी और अत्याचारी भी हैं. आप अपने प्रयत्न करो. सफल रहोगे.

मंदिर में पांच दीप जल रहे थे. अलग-अलग दिशाओं और स्थान पर मां ने कहा यह दीप अहिरावण ने मेरी प्रसन्नता के लिए जलाये हैं जिस दिन ये एक साथ बुझा दिए जा सकेंगे, उसका अंत सुनिश्चित हो सकेगा.

इस बीच गाजे-बाजे का शोर सुनाई पड़ने लगा. अहिरावण, महिरावण बलि चढाने के लिए आ रहे थे. हनुमान जी ने अब मां कामाक्षी का रूप धरा. जब अहिरावण और महिरावण मंदिर में प्रवेश करने ही वाले थे कि हनुमान जी का महिला स्वर गूंजा.

हनुमान जी बोले- मैं कामाक्षी देवी हूं और आज मेरी पूजा झरोखे से करो. झरोखे से पूजा आरंभ हुई ढेर सारा चढावा मां कामाक्षी को झरोखे से चढाया जाने लगा. अंत में बंधक बलि के रूप में राम लक्ष्मण को भी उसी से डाला गया. दोनों बंधन में बेहोश थे.

हनुमान जी ने तुरंत उन्हें बंधन मुक्त किया. अब पाताल लोक से निकलने की बारी थी पर उससे पहले मां कामाक्षी के सामने अहिरावण महिरावण की बलि देकर उनकी इच्छा पूरी करना और दोनों राक्षसों को उनके किए की सज़ा देना शेष था.

अब हनुमान जी ने मकरध्वज को कहा कि वह अचेत अवस्था में लेटे हुए भगवान राम और लक्ष्मण का खास ख्याल रखे और उसके साथ मिलकर दोनों राक्षसों के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया.

पर यह युद्ध आसान न था. अहिरावण और महिरावण बडी मुश्किल से मरते तो फिर पाँच पाँच के रूप में जिदां हो जाते. इस विकट स्थिति में मकरध्वज ने बताया कि अहिरावण की एक पत्नी नागकन्या है.

अहिरावण उसे बलात हर लाया है. वह उसे पसंद नहीं करती पर मन मार के उसके साथ है, वह अहिरावण के राज जानती होगी. उससे उसकी मौत का उपाय पूछा जाये. आप उसके पास जाएं और सहायता मांगे.

मकरध्वज ने राक्षसों को युद्ध में उलझाये रखा और उधर हनुमान अहिरावण की पत्नी के पास पहुंचे. नागकन्या से उन्होंने कहा कि यदि तुम अहिरावण के मृत्यु का भेद बता दो तो हम उसे मारकर तुम्हें उसके चंगुल से मुक्ति दिला देंगे.

अहिरावण की पत्नी ने कहा- मेरा नाम चित्रसेना है. मैं भगवान विष्णु की भक्त हूं. मेरे रूप पर अहिरावण मर मिटा और मेरा अपहरण कर यहां कैद किये हुए है, पर मैं उसे नहीं चाहती. लेकिन मैं अहिरावण का भेद तभी बताउंगी जब मेरी इच्छा पूरी की जायेगी.

हनुमान जी ने अहिरावण की पत्नी नागकन्या चित्रसेना से पूछा कि आप अहिरावण की मृत्यु का रहस्य बताने के बदले में क्या चाहती हैं ? आप मुझसे अपनी शर्त बताएं, मैं उसे जरूर मानूंगा.

चित्रसेना ने कहा- दुर्भाग्य से अहिरावण जैसा असुर मुझे हर लाया. इससे मेरा जीवन खराब हो गया. मैं अपने दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदलना चाहती हूं. आप अगर मेरा विवाह श्री राम से कराने का वचन दें तो मैं अहिरावण के वध का रहस्य बताऊंगी.

हनुमान जी सोच में पड़ गए. भगवान श्री राम तो एक पत्नी निष्ठ हैं. अपनी धर्म पत्नी देवी सीता को मुक्त कराने के लिए असुरों से युद्ध कर रहे हैं. वह किसी और से विवाह की बात तो कभी न स्वीकारेंगे. मैं कैसे वचन दे सकता हूं ?

फिर सोचने लगे कि यदि समय पर उचित निर्णय न लिया तो स्वामी के प्राण ही संकट में हैं. असमंजस की स्थिति में बेचैन हनुमानजी ने ऐसी राह निकाली कि सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे.

हनुमान जी बोले- तुम्हारी शर्त स्वीकार है पर हमारी भी एक शर्त है. यह विवाह तभी होगा जब तुम्हारे साथ भगवान राम जिस पलंग पर आसीन होंगे वह सही सलामत रहना चाहिए. यदि वह टूटा तो इसे अपशकुन मांगकर वचन से पीछे हट जाऊंगा.

जब महाकाय अहिरावण के बैठने से पलंग नहीं टूटता तो भला श्रीराम के बैठने से कैसे टूटेगा ! यह सोच कर चित्रसेना तैयार हो गयी. उसने अहिरावण समेत सभी राक्षसों के अंत का सारा भेद बता दिया.

चित्रसेना ने कहा- दोनों राक्षसों के बचपन की बात है. इन दोनों के कुछ शरारती राक्षस मित्रों ने कहीं से एक भ्रामरी को पकड़ लिया. मनोरंजन के लिए वे उसे भ्रामरी को बार-बार काटों से छेड रहे थे.

भ्रामरी साधारण भ्रामरी न थी. वह भी बहुत मायावी थी किंतु किसी कारण वश वह पकड़ में आ गई थी. भ्रामरी की पीड़ा सुनकर अहिरावण और महिरावण को दया आ गई और अपने मित्रों से लड़ कर उसे छुड़ा दिया.

मायावी भ्रामरी का पति भी अपनी पत्नी की पीड़ा सुनकर आया था. अपनी पत्नी की मुक्ति से प्रसन्न होकर उस भौंरे ने वचन दिया था कि तुम्हारे उपकार का बदला हम सभी भ्रमर जाति मिलकर चुकाएंगे.

ये भौंरे अधिकतर उसके शयन कक्ष के पास रहते हैं. ये सब बड़ी भारी संख्या में हैं. दोनों राक्षसों को जब भी मारने का प्रयास हुआ है और ये मरने को हो जाते हैं तब भ्रमर उनके मुख में एक बूंद अमृत का डाल देते हैं.

उस अमृत के कारण ये दोनों राक्षस मरकर भी जिंदा हो जाते हैं. इनके कई-कई रूप उसी अमृत के कारण हैं. इन्हें जितनी बार फिर से जीवन दिया गया उनके उतने नए रूप बन गए हैं. इस लिए आपको पहले इन भंवरों को मारना होगा.

हनुमान जी रहस्य जानकर लौटे. मकरध्वज ने अहिरावण को युद्ध में उलझा रखा था. तो हनुमान जी ने भंवरों का खात्मा शुरू किया. वे आखिर हनुमान जी के सामने कहां तक टिकते.

जब सारे भ्रमर खत्म हो गए और केवल एक बचा तो वह हनुमान जी के चरणों में लोट गया. उसने हनुमान जी से प्राण रक्षा की याचना की. हनुमान जी पसीज गए. उन्होंने उसे क्षमा करते हुए एक काम सौंपा.

हनुमान जी बोले- मैं तुम्हें प्राण दान देता हूं पर इस शर्त पर कि तुम यहां से तुरंत चले जाओगे और अहिरावण की पत्नी के पलंग की पाटी में घुसकर जल्दी से जल्दी उसे पूरी तरह खोखला बना दोगे.

भंवरा तत्काल चित्रसेना के पलंग की पाटी में घुसने के लिए प्रस्थान कर गया. इधर अहिरावण और महिरावण को अपने चमत्कार के लुप्त होने से बहुत अचरज हुआ पर उन्होंने मायावी युद्ध जारी रखा.

भ्रमरों को हनुमान जी ने समाप्त कर दिया फिर भी हनुमान जी और मकरध्वज के हाथों अहिरावण और महिरावण का अंत नहीं हो पा रहा था. यह देखकर हनुमान जी कुछ चिंतित हुए.

फिर उन्हें कामाक्षी देवी का वचन याद आया. देवी ने बताया था कि अहिरावण की सिद्धि है कि जब पांचो दीपकों एक साथ बुझेंगे तभी वे नए-नए रूप धारण करने में असमर्थ होंगे और उनका वध हो सकेगा.

दशहरा (विजयादशमी या आयुध-पूजा) हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। अश्विन (क्वांर) मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। भगवान राम ने इसी दिन रावण का वध किया था। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसीलिए इस दशमी को विजयादशमी के नाम से जाना जाता है। दशहरा वर्ष की तीन अत्यन्त शुभ तिथियों में से एक है, अन्य दो हैं चैत्र शुक्ल की एवं कार्तिक शुक्ल की प्रतिपदा। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ करते हैं, शस्त्र-पूजा की जाती है।

दूसरे प्रदेशों का दशहरा

दशहरा अथवा विजयादशमी राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में, दोनों ही रूपों में यह शक्ति पूजा का पर्व है, शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है। देश के कोने-कोने में यह विभिन्न रूपों से मनाया जाता है, बल्कि यह उतने ही जोश और उल्लास से दूसरे देशों में भी मनाया जाता जहां प्रवासी भारतीय रहते हैं।

हिमाचल प्रदेश में कुल्लू का दशहरा बहुत प्रसिद्ध है। अन्य स्थानों की ही भांति वहां भी दस दिन अथवा एक सप्ताह पूर्व इस पर्व की तैयारी आरंभ हो जाती है। स्त्रियां और पुरुष सभी सुंदर वस्त्रों से सज्जित होकर तुरही, बिगुल, ढोल, नगाड़े, बांसुरी आदि-आदि जिसके पास जो वाद्य होता है, उसे लेकर बाहर निकलते हैं। पहाड़ी लोग अपने ग्रामीण देवता का धूम धाम से जुलूस निकाल कर पूजन करते हैं। देवताओं की मूर्तियों को बहुत ही आकर्षक पालकी में सुंदर ढंग से सजाया जाता है। साथ ही वे अपने मुख्य देवता रघुनाथ जी की भी पूजा करते हैं।

पंजाब में दशहरा नवरात्रि के नौ दिन का उपवास रखकर मनाते हैं। इस दौरान यहां आगंतुकों का स्वागत पारंपरिक मिठाई और उपहारों से किया जाता है। यहां भी रावण-दहन के आयोजन होते हैं, व मैदानों में मेले लगते हैं।

तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश एवं कर्नाटक में दशहरा नौ दिनों तक चलता है जिसमें तीन देवियां लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की पूजा करते हैं। पहले तीन दिन लक्ष्मी-धन और समृद्धि की देवी का पूजन होता है। अगले तीन दिन सरस्वती-कला और विद्या की देवी की अर्चना की जाती है और अंतिम दिन देवी दुर्गा-शक्ति की देवी की स्तुति की जाती है। पूजन स्थल को अच्छी तरह फूलों और दीपकों से सजाया जाता है। लोग एक दूसरे को मिठाइयां व कपड़े देते हैं। वहां दशहरा बच्चों के लिए शिक्षा या कला संबंधी नया कार्य सीखने के लिए शुभ समय होता है। कर्नाटक में मैसूर का दशहरा विशेष उल्लेखनीय है। मैसूर में दशहरे के समय पूरे शहर की गलियों को रोशनी से सज्जित किया जाता है और हाथियों का श्रृंगार कर पूरे शहर में एक भव्य जुलूस निकाला जाता है। इस समय प्रसिद्ध मैसूर महल को दीपमालिकाओं से दुल्हन की तरह सजाया जाता है। इसके साथ शहर में लोग टार्च लाइट के संग नृत्य और

संगीत की शोभा यात्रा का आनंद लेते हैं। इन द्रविड़ प्रदेशों में रावण-दहन का आयोजन नहीं किया जाता है

गुजरात में मिट्टी सुशोभित रंगीन घड़ा देवी का प्रतीक माना जाता है और इसको कुंवारी लड़कियां सिर पर रखकर एक लोकप्रिय नृत्य करती हैं जिसे गरबा कहा जाता है। गरबा नृत्य इस पर्व की शान है। पुरुष एवं स्त्रियां दो छोटे रंगीन डंडों को संगीत की लय पर आपस में बजाते हुए घूम घूम कर नृत्य करते हैं। इस अवसर पर भक्ति, फिल्म तथा पारंपरिक लोक-संगीत सभी का समायोजन होता है।

पूजा और आरती के बाद डांडिया रास का आयोजन पूरी रात होता रहता है।

एक महापुरुष

राम (रामचन्द्र), प्राचीन भारत में जन्मे, एक महापुरुष थे। हिन्दू धर्म में, राम, विष्णु के 10 अवतारों में से सातवें हैं। राम का जीवनकाल एवं पराक्रम, महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित, संस्कृत महाकाव्य रामायण के रूप में लिखा गया है। उन पर तुलसीदास ने भी भक्ति काव्य श्री रामचरितमानस रचा था। खास्तौर पर उत्तर भारत में राम बहुत अधिक पूजनीय माने जाते है। रामचन्द्र हिन्दुत्ववादियों के भी आदर्श पुरुष है। राम, अयोध्या के राजा दशरथ और रानी कौशल्या के सबसे बड़े पुत्र थे। राम की पत्नी का नाम सीता था (जो लक्ष्मी का अवतार मानी जाती है) और इनके तीन भाई थे, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न। हनुमान, भगवान राम के सबसे बड़े भक्त माने जाते हैं। राम ने राक्षस जाति के राजा रावण का वध किया।

शांति के लिए...

राम और राम नाम के महत्व को हजारों बार प्रमाणित किया जा चुका है, लेकिन मूढ़ बुद्धि 'रहस्य' को नही मानती। कुछ शब्द ऐसे होते हैं जिनको सुनने या कहने से हमारे दिमाग में उत्तेजना, निराशा, क्रोध या अन्य तरह के नकारात्मक भाव उत्पन्न होते हैं लेकिन कुछ शब्द ऐसे होते हैं जिनको सुनने मात्र से मन शांत और निश्चल हो जाता है। यह सभी जानते हैं कि अच्छा संगीत हमारे शरीर, मन और मस्तिष्क सभी को स्वस्थ और प्रसन्न रखने की ताकत रखता है।

कलयुग में यही सहारा...

कहते है कि कलयुग मे सब कुछ महंगा है, लेकिन राम का नाम ही सस्ता है। सस्ता ही नही सभी रोग और शोक की एक ही दवा है राम। वर्तमान मे ध्यान, तप, साधना और अटूट भक्ति करने से भी श्रेष्ठ राम का नाम जपना है। भागमभाग जिंदगी, गलाकाट प्रतिस्पर्धा, धोखे पर धोखे, माया और मोह आदि सभी के बीच मानवता जब हताश और निराश होकर आत्महत्या करने लगती है तब सिर्फ राम नाम का सहारा ही उसे बचा सकता है।

नाम की महिमा

सेतुबंध बनाया जा रहा था तब सभी को संशय था कि क्या पत्थर भी तैर सकते हैं। क्या तैरते हुए पत्थरों का बांध बन सकता है तो इस संशय को मिटाने के लिए प्रत्येक पत्थर पर राम का नाम लिखा गया। हनुमान जी भी सोच में पड़ गए कि बिना सेतु के बिना मैं लंका कैसे पहुंच सकता हूं लेकिन राम का नाम लेकर वे एक ही छलांग में पार कर गए समुद्र। राम के जन्म के पूर्व इस नाम का उपयोग ईश्वर के लिए होता था अर्थात ब्रह्म, परमेश्वर, ईश्वर आदि की जगह पहले 'राम' शब्द का उपयोग होता था, इसीलिए इस शब्द की महिमा और बढ़ जाती है तभी तो कहते हैं कि राम से भी बढ़कर श्रीराम का नाम है। 'राम' शब्द की ध्वनि जीवन के सभी दुखों को मिटाने की ताकत रखती है। वह हम नहीं ध्वनि विज्ञान पर शोध करने वाले वैज्ञानिक बताते हैं कि राम नाम के उच्चारण से मन शांत हो जाता है।

राम से भी बढ़कर राम का नाम

'राम' यह शब्द दिखने मे जितना सुंदर है उससे कही अधिक महत्वपूर्ण है इसका उच्चारण। राम कहने मात्र से शरीर और मन मे अलग ही तरह की प्रतिक्रिया होती है जो हमे आत्मिक शांति देती है। हजारो संत और महात्माओ ने राम का नाम जपते-जपते मोक्ष को पा लिया है। कहते है कि बलशालियो मे सर्वाधिक बलशाली राम है, लेकिन राम से भी बढ़कर श्रीराम जी का नाम है। हनुमान, लक्ष्मण, सुग्रीव, रावण से लेकर कबीर, तुलसी और गांधी तक सभी राम का नाम ही जपते रहे है। राम नाम की महिमा ही कुछ ऐसी है कि इसको जपने से संपूर्ण मानसिक ताप मिट जाते है।

मृत्यु के बाद भी साथ। राम की सत्ता को नकारने वाले तत्व नहीं जानते कि जब मृत्युकाल होगा तब तुम्हारे विचार, क्रोध, पद, दंभ, साथी और राजनीतिक मित्र सब यही छूट जाएंगे। तुम्हारे ही लोग जल्दबाजी करेंगे तुम्हे जलाने या दफनाने की। आंखो के सामने अंधकार जब छा जाएगा तब यदि राम का नाम कमाया है तो वही दीप बनकर जलेगा और तुम्हे रास्ता दिखाएगा।

राम रहस्य

प्रसिद्ध संत शिवानंद निरंतर राम का नाम जपते रहते थे। एक दिन वे जहाज पर यात्रा के दौरान रात में गहरी नींद में सो रहे थे। आधी रात को कुछ लोग उठने लगे और आपस में बात करने लगे कि ये राम नाम कौन जप रहा है। लोगों ने उस विराट, लेकिन शांतिमय आवाज की खोज की और खोजते-खोजते वे शिवानंद के पास पहुंच गए। सभी को यह जानकर बड़ा आश्चर्य हुआ की शिवानंद तो गहरी नींद में सो रहे है, लेकिन उनके भीतर से यह आवाज कैसे निकल रही है। उन्होंने शिवानंद को झकझोर कर उठाया तभी अचानक आवाज बंद हो गई। लोगों ने शिवानंद को कहा आपके भीतर से राम नाम की आवाज निकल रही थी इसका राज क्या है। उन्होंने कहा मैं भी उस आवाज को सुनता रहता हूं। पहले तो जपना पड़ता था राम का नाम अब नही। बोलो श्रीराम।

धारा 4 के 25 बिंदुओं की जानकारी केंद्र व राज्यों के मंत्रालयों ने नहीं की घोषित

पेज 1 का शेष

लगभग पूरे देश में रुपए 5000 करोड़ से ज्यादा केंद्र व राज्यों के मंत्रालयों और उनके राजधानी संभाग जिला स्तर के कार्यालयों को व्यवस्था करने के लिए दिए गए थे। सूचना अधिकार अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत यह व्यवस्था भी की गई थी की सभी मंत्रालय और उसके सभी विभाग जो देश की राजधानी से लेकर राज्यों की राजधानियों से संभागों जिलों से उनकी सैकड़ों पंचायतों तक 17 बिंदुओं की जानकारी स्वंय विभाग की साइट पर उपलब्ध

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला देवास (म.प्र.)

करवाने के साथ-साथ अपने कार्यालय में निशुल्क अध्ययन करने, आवश्यक चाहे गए दस्तावेजों की फोटोकॉपिया सशुल्क आवेदक को उपलब्ध करवाने के लिए व्यवस्था की जाएगी।

जिसमें भारत सरकार के व्यक्तिगत शिकायत निवारण मंत्रालय जो की मानव संसाधन विभाग के अंतर्गत कार्य करता है।

उसमें सन 2017 में आठ बिंदुओं की जानकारी और जोड़कर जनता को सीधे ही विवाह की इंटरनेट साइट से उपलब्ध करवाने के लिएपरिपत्र जारी कर दिया गया था

परंतु कानून को लागू हुये 19 वर्ष बाद गुजर जाने के बाद में भी घोर भ्रष्ट जालसाज घोर निकम्मे मक्कार भारतीय प्रताड़ना सेवा के अधिकारियों जो केंद्र व राज्यों के सभी मंत्रालयों के प्रधान मुख्य सचिव भी होते हैं।

जो चुने हुए और राष्ट्रपति प्रधानमंत्री से लेकर राज्यों के मुख्यमंत्री मंत्रियों से लेकर जिलों के सचिव दंडाधिकारी जिलाधीश और सभी प्रकार की जालसाजियों से धन इकठ्ठा करने वाले कलेक्टर संभाग आयुक्त से प्रमुख सचिव तकसब कुछ होते हैं जिनकी निगाह में अन्य सरकारी कर्मचारी अधिकारी भेड़ बकरियां और जनता कीड़े मकोड़े होती है।

इस देश के असली खुदा व देश को चलाते हैं। ने अपने साथ अपने अंतर्गत कार्य कर रहे मंत्रालयों की और राजधानी स्थित मुख्यालय से लेकर गांवों की पंचायतों तक सबको हांकते हैं।

एक तरफ अपनी 25 बिंदुओं की सारी जानकारियां ना तो साइट पर अपलोड की ना जनता को उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की। उन्होंने इस कानून को मजाक बना दिया और उनके मजाक बनाने से नीचे के अधिकारियों कर्मचारियों ने भी सूचना के अधिकार कोन केवल मजाक बना दिया बल्कि जानकारी मांगने वालों कीसरकारी अधिकारियों कर्मचारियों से लेकर सरपंच सचिवों तक ने हीं हत्या ही करवा दीजो 31 मार्च 2022 तक लगभग 259 की हत्या कीसूचना प्राप्त हुई थी और लगभग प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से 10000 से ज्यादा कार्यकर्ताओं पर जानलेवा हमले हुए धमकियां दी गईं।

जिसकी जानकारी न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंची और देश की केंद्र व राज्यों की भ्रष्ट सरकारों के बारे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समाचार पहुंचने के द्वारा अध्ययन करने के कारण भारत को भ्रष्टाचार की सूची में 166 देशों में 126 वें नंबर पर स्थान दिया गया।

एशिया मानवाधिकारों व विकास मंच की एक रिपोर्ट

19 वर्ष गुजर जाने के बाद में भी अभी तक जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा किस प्रकार से जालसाजी पूर्ण जवाब दिए जाते हैं उसके संबंध में दो पत्र यहां प्रस्तुत कर रहा हूं एक में बंदे ने अपने विभाग का नाम ही पूरे सूचना के अधिकार के आवेदन कहीं नहीं लिखा और ना ही उसे पर सील लगाई, ताकि यह मालूम पड़ सके किस विभाग का यह आवेदन है और पैसे जमा करने के बाद किसको सूचित करके जानकारी मांगना है।

दूसरा दिवस के सीएमएच ओ से सूचना के अधिकार में जानकारी मांगी गई जिसमें स्पष्ट रूप से सूचना अधिकार अधिनियम की धारा 2j(iv) जिसके अंतर्गत जो जानकारीजिस रूप में उपलब्ध होगी और दूसरा जो जानकारी इलेक्ट्रॉनिक फॉरमैट कंप्यूटरआदि में उपलब्ध होगी उसकी सीडी बना कर दी जाएगी.

केंद्र सरकार ने सीडी की कीमत मात्र रु. 5 रखी थीपरंतु मध्य प्रदेश सरकार में उसकी कीमत रु. 50 कर दी. इसी प्रकार यदि आप कार्यालय में चाहे गए दस्तावेजों का अवलोकन करना चाहते हैं तो केंद्र सरकार ने उसका शुल्क पहले रु. 25 और बाद की हर घंटे में रु. 5 रखा । परंतु यहां भी राज्य सरकार ने उस समय जो मुखिया शिवराज सिंह चौहान थे उन्होंने उसको प्रति घंटे रु. 50 कर दिया।

बेशक वहां भी अपने भ्रष्टाचारों को छुपाने पूरी जालसाजी की जाती है। जो दस्तावेज आवेदक देखने के लिए रु. 50 प्रति घंटा चुकाता है। एक तो हर विभाग में उसे आवेदक को जानकारी दिखाने के लिए स्टाफ की कमी बात कर समय ही नहीं दिया जाता। फिर भी कोई धरती पकड़ अभी तक नहीं माने और वह दस्तावेज देखने की जिद करता है तो उस आवेदक से उस जानकारी को छुपाने बचाने के लिए उल्टी सीधी जानकारी का ढेर लगा देते हैं और वह आवेदक रु. 50 घंटे में उन अपने चाहे दस्तावेजों की खोज बीन करते-करते ही समय पूरा कर देता है।

सूचना के अधिकार में 12 अक्टूबर 2005 तक 17 बिंदुओं की जानकारी पूरी अपलोड कर दी जानी चाहिए थी और अधिकांश धन कार्य संबंधी जानकारी टेंडर भुगतान माप पुस्तिका आपूर्ति आदि की जानकारी को स्वयं सरकार को अपनी साइट पर अपलोड कर देनी चाहिए थी बेशक मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के सारे भुगतान सारी नाप पुस्तिकाओं के साथ संबद्ध किए गए कार्य की फोटो वीडियो को साइट पर अपलोड करने के बाद अब सीधे भुगतान भोपाल से ही किए जाते हैं परंतु वहां भी भ्रष्टाचार छुपाने कार्य की सच्चाई जानने जानकारी आम नागरिकों व ग्रामीणों के लिए उपलब्ध नहीं होती। और सीडी मांगने परसीधा बोल दिया जाता है कि हमारे पास सीडी बनाने की व्यवस्था नहीं है यही हाल कम हो देवास में भी किया जबकि उसके पूर्व में भी कई बार सीडीयां उपलब्ध करवाई गई है। पर इस बार आवेदन के जवाब में सीधे हीबिना दस्तावेज देखे धमकाने के लिए एक मुस्त रु. 21000 कीमांग कर ली गई। सन 2011-12 मेंइंदौर के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी से जानकारी मांगने पर उसने सीधेजानकारी उपलब्ध करवाने की अपेक्षा एक करोड़ 10 लाख 32544 का मांग पत्र भेज दिया था।

सब घटनाएं बताती है कि किस प्रकार से जानकारी देने के नाम पर सभी शासकीय ग्रामीण पंचायतों से लेकर जिलों संभागोंसे राजधानी स्तर के मुख्यालयों तक वहां बैठे घोर भ्रष्ट जालसाज अधिकारी कर्मचारी जानकारी देने के नाम पर किस प्रकार की जालसाजी करते हैं

भारतः सूचना के अधिकार कार्यकर्ताओं की हत्या पर रोक लगाएं

(बैंकॉक/काठमांडू, 28 मार्च 2018) – मानवाधिकार एवं विकास के लिए एशियाई मंच (फोरम-एशिया) भारत में सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के माध्यम से भ्रष्टाचार के खिलाफ काम करने वाले लोगों की व्यवस्थित हत्याओं के बारे में गहराई से चिंतित है, जिन्हें लोकप्रिय रूप से आरटीआई कार्यकर्ता कहा जाता है। आरटीआई अधिनियम 2005 में लागू हुआ था।

हालांकि यह भ्रष्टाचार को उजागर करने और शासन प्रणाली में अधिक पारदर्शिता लाने में सहायक रहा है, लेकिन 2005 से अब तक 68 आरटीआई कार्यकर्ताओं की हत्या की जा चुकी है और 365 से अधिक पर हमला किया गया है, उन्हें परेशान किया गया है या धमकी दी गई है। फोरम-एशिया इस बात से नाराज है कि भारत सरकार ने अभी तक आरटीआई कार्यकर्ताओं की सुरक्षा के लिए कोई पर्याप्त उपाय नहीं किए हैं। इस महीने की शुरुआत में ही मेघालय और गुजरात में दो आरटीआई कार्यकर्ता पोइपिनहुन माजॉ और नानजीभाई सोंदरवा की हत्या कर दी गई थी, जिससे पूरे देश में आरटीआई कार्यकर्ताओं में डर का माहौल है। पोइपिनहुन माजॉ 20 मार्च 2018 को मेघालय के पूर्वी जैंतिया हिल्स के रिंबाई रोड पर मृत पाए गए थे, उनके सिर पर कई घाव थे। 38 वर्षीय कार्यकर्ता माजॉ भ्रष्टाचार और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग को उजागर करने के लिए जाने जाते थे।3 उन्होंने मेघालय के जैंतिया हिल्स में अवैध खनन को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जो कोयला खनन के लिए प्रसिद्ध क्षेत्र है। कई कंपनियों ने स्थानीय शासन निकाय, जैंतिया हिल्स स्वायत्त जिला परिषद (JHADC) से उचित लाइसेंस के बिना खनन गतिविधियाँ कीं। एक आरटीआई जांच के माध्यम से, उन्होंने JHADC द्वारा सार्वजनिक धन के दुरुपयोग को उजागर किया, जिसके कारण शीर्ष अधिकारियों की गिरफ्तारी हुई। गुजरात के राजकोट जिले के कोटडा सांगनी तालुका के मानेकवाड़ा गांव के निवासी 35 वर्षीय नानजीभाई सोंदरवा की 9 मार्च 2018 को हत्या कर दी गई थी। कथित तौर पर डेढ़ साल पहले गांव के सरपंच ने उन पर और उनके परिवार के अन्य सदस्यों पर हमला किया था, जो गांव में किए गए विकास कार्यों में वित्तीय अनियमितताओं को उजागर करने के लिए उन पर निशाना साध रहे थे। ये हत्याएं आरटीआई कार्यकर्ताओं पर हमलों के सबसे हालिया उदाहरण हैं, वे भारत में लोकतांत्रिक स्थान के सिकुड़ने, असहिष्णुता बढ़ने और कानून के शासन के हनन की व्यापक प्रवृत्ति का संकेत हैं। दंड से मुक्ति की संस्कृति सामान्य होती जा रही है, जो आरटीआई कार्यकर्ताओं को धमकियों, धमकी, उत्पीड़न और हत्या के प्रति और भी अधिक संवेदनशील बनाती है। न्याय तक पहुंच बहुत कम है क्योंकि सरकार इन कार्यकर्ताओं के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए गंभीर उपाय लागू करने में विफल रही है। भारत ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीएसी) की पुष्टि की है, और इसलिए अनुच्छेद 7 और 12 के तहत सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की जवाबदेही बढ़ाने के लिए सक्रिय कदम उठाने का दायित्व है।5 फोरम-एशिया पोइपिनहुन माजॉ, नानजीभाई सोंदरवा और अन्य सभी आरटीआई कार्यकर्ताओं की हत्या की कड़ी निंदा करता है, जो अपने मौलिक अधिकारों का प्रयोग कर रहे थे और भ्रष्टाचार से लड़ रहे थे। फोरम-एशिया भारत सरकार से तत्काल कदम उठाने का आग्रह करता है, जैसे कि इन हत्याओं की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच करना और अपराधियों के खिलाफ मुकदमा चलाना सुनिश्चित करना। अंत में, फोरम-एशिया ने कॉल किया

मोटर यान स्पिरिट व हाई स्पीड डीजल तेल अनुज्ञापन तथा नियंत्रण आदेश 1980 को पुनः लागू करें

मप्र के डीजल गैस पेट्रोल पंपों पर भारी अनियमितताएं

मोदी मित्रों के दबाव में निरस्त कर जनता को लूटने की खुली छूट दी

मोदी ने सत्ता में आने के बाद अपने मित्रों के हित साधन के लिए छोटे से छोटे और बड़े से बड़े कार्य करने के साथ-साथ कानून को भी निरस्त कर दिया. ताकि मोदी मित्र आसानी से हर कदम जनता के साथ छल कपट और लूट कर सकें उसी में था मध्य प्रदेश में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता संरक्षण विभाग को रिलायंस पेट्रोल पंपों पर की जड़ी जनता के साथ कम ऑक्टेन का पेट्रोल डीजल की जांच नियंत्रण आदि के लिए

प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आका के सारे पर मध्य प्रदेश में मोटर स्पिरिट हाई स्पीड डीजल तेल अनुज्ञापन तथा नियंत्रण आदेश 1980को माह जुलाई 2020 मेंनिरस्त कर दिया गया इससे अब खाद्य और आपूर्ति विभाग के निरीक्षक और अधिकारी पेट्रोल पंपों पर उपभोक्ताओं के लिए निशुल्क सेवाएं जिसमें मूत्रालय शौचालय मुफ्त हवा पानीआदि की व्यवस्थाओं पर भीन केवल जांच नहीं कर सकते वरुण कोई भीआदेश या नियमितीकरण के लिए पूछताछ भी करने के पात्र नहीं रह गये। वह अभी बाकी की राज्य सरकार के खाद्य नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता संरक्षण के अंतर्गत केंद्र की तेल कंपनियों के साथ मोदी मित्र अंबानी के रिलायंस एस्सार द्वारा चल यार ही पेट्रोल पंपों पर किसी भी प्रकार की कोई राज्य सरकार के द्वारा पूछताछ हस्तक्षेप या निर्देश नहीं दिए जा सकते इसके संबंध में एक पत्र मध्य प्रदेश खाद्य आपूर्ति अधिकारी संघ भोपाल द्वारा 13 8 24 को प्रमुख सचिव मध्य प्रदेश शासन खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग पाल को सोपा गया।

जिसकी प्रति नीचे प्रस्तुत है

सवाल यह उठता है की जनहितों खूब भलाई तक रखकर इतने छोटे-छोटे से आदेशों को भी मोदी मित्रों के लिएआका के इशारे परप्रदेश के मुख्यमंत्रीखाद एवं नागरिक आपूर्ति और प्रधान सचिव का कैसे आदेशों को रद्द कर देते हैं। जबकि वर्तमान में सरकारी तेल कंपनियों हिंदुस्तान पैट्रोलियम इंडियन ऑयल आदि के पेट्रोल पंपों पर उपभोक्ता के साथ पेट्रोल कम नापने मिलावट करने की धोखाधड़ी के साथ कंप्यूटर निशुल्कशौचालय के साथपेयजलवाहनों के लिए हवा की व्यवस्थाके नाम पर केवल दिखाओ की व्यवस्थाएं कर दी जाती है परंतु अधिकांश पंपों केमंत्रालय शौचालय ऊपर काम चल रहा के नाम पर ताले लगे हुए हैं। निशुल्क पेयजल की व्यवस्था अधिकांश पंपों पर नहीं मिलने के साथ-साथ वाहनों के टायरों में हवा भरने का पंप टांका लगे हुए हैं पर अधिकांश जगह वहां पर कर्मचारी नहीं होता और पूछने पर कहा जाता है कि खाना खाने गया है बाथरूम करने गया है चाय पीने गया है और उसे प्रकार से उसे कर्मचारियों की नियुक्ति ही नहीं होती और प्रकार पेट्रोल पंप मालिक पेट्रोल डीजल आपूर्ति के भी आधे आपूर्ति पंपों पर कर्मचारी रखते हैं और इस प्रकार से भी आवश्यकता के आदि से कम कर्मचारी रख एक तरफ कम पेट्रोल डीजल नापने के लिए बड़ी खड़ी करते हैं तो दूसरी तरफ पेयजल और हवा भरने के कर्मचारियों की तनख्वाह बचाते हैं।

जब इसकी शिकायत क्षेत्रीय स्तर के खाद्य नियंत्रक मारुति से शिकायत की गई तो उन्होंने बताया कि अब हमारे पास किसी भी प्रकार का कोई नियंत्रण करने का अधिकार नहीं है हमने सरकार को इस संबंध में ज्ञापन सोपा था परंतु सरकार ने अभी तक इस पर कोई ध्यान नहीं दिया मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रधान सचिव को चाहिए कि उस आदेश को तत्काल लागू कर पंपों पर नियंत्रण स्थापित कर जन सुविधाओं को बहाल करने और पेट्रोल डीजल की जांच की व्यवस्था तत्काल करवाई जानी चाहिए।

विषय– पेट्रोल/डीजल के आउटलेट के निरीक्षण बाबत।

अतः निवेदन है कि प्रदेश में डीजल/पेट्रोल के विनियमन एवं वितरण तथा उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु उचित नियंत्रण आदेश जारी करने का कष्ट करें जिससे विभागीय दायित्वों का निर्वहन सुचारू रूप से किया जा सके।

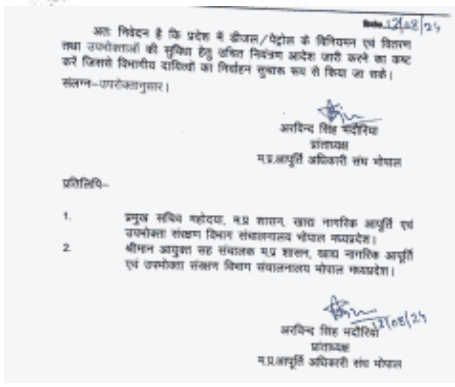

संलग्न–उपरोक्तानुसार।

अरविन्द सिंह भदौरिया
प्रांताध्यक्ष
म.प्र.आपूर्ति अधिकारी संघ भोपाल

प्रतिलिपि–

1. प्रमुख सचिव महोदय, म.प्र शासन, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग संचालनालय भोपाल मध्यप्रदेश।
2. श्रीमान आयुक्त सह संचालक म.प्र शासन, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग संचालनालय भोपाल मध्यप्रदेश।

अरविन्द सिंह भदौरिया
प्रांताध्यक्ष
म.प्र.आपूर्ति अधिकारी संघ भोपाल

आपराधिक प्रवृत्ति के मोदी-शाह का देश को नशे में डुबोने का षड़यंत्र

पेज 1 का शेष

कस्टम डिपार्टमेंट हर माल चेक नहीं कर सकता.. वो सिर्फ सेम्पल के तौर पे रेंन्डोमली कुछ माल देखता है.. या जिसपे शक हो उस माल को .. ये रेग्युलर कंसांइनमेन्ट का हिस्सा था जो छोटे कस्टम अधिकारी ने गलती से पकड़ लिया। इस मामले में मुंद्रा पोर्ट कर अडानी समूह के अधिकारियों से कड़ी पूछताँछ होनी चाहिए थी.. ग्राउंड स्टॉफ को रिमांड पर लेना चाहिए था की क्या उन्हें कोई अलग निर्देश भी दिए गए हैं भूतकाल में... इसमें इन्वेस्टीगेशन होनी चाहिए थी.. प्राइवेट ट्रांसपोर्ट हमेशा ही आर्गेनाएज्ड क्राइम में मददगार होता है क्योंकि इसके मालिक मुनाफा देखते हैं मोरल नही..

भारत को बनाया जा रहा है पाब्लो एस्कोबार का कोलंबिया

मुंबई में पकड़ी गई 1000 करोड़ रुपये की ड्रग्स, अफगानिस्तान से लाई गई थी हेरोइन (10 अगस्त, 2020)

DRI ने पकड़ी 2000 करोड़ की हेरोइन, ईरान से लाए थे मुंबई (5 जुलाई, 2021)

ड्रग्स की बड़ी खेप के साथ 7 अरेस्ट, गुजरात तट पर पकड़ी गई ईरानी नौका (19 सित. 2021)

ADANI के स्वामित्व वाले मुंद्रा पोर्ट पर पकड़ी गई ड्रग्स की सबसे बड़ी खेप, मोदी-शाह सहित मीडिया की चुप्पी पर बड़े सवाल (20 सित. 2021)

गुजरातः 20000 करोड़ तक हो सकती है मुंद्रा पोर्ट से जब्त की गई ड्रग्स की कीमत, तालिबान-घुष् पर भी शक (21 सितंबर 2021)

डीआरआई ने मुंबई से पकड़ी 125 करोड़ रुपये की हेरोइन, मूंगफली की बोरियों के कंटेनर में रखा गया था मादक पदार्थ (8 अक्टूबर, 2021)

Drug Seize: गुजरात में 350 करोड़ रुपये का नशीला पदार्थ जब्त, दो गिरफ्तार (10 नवबर, 2021)

यदि केवल पिछले पांच महीनों में आई इस तरह की खबरों को मिलाकर देखें तो भावी भारत की जो तस्वीर उभरती है उसमें और पाब्लो एमिलियो एस्कोबार गैविरिया के जमाने के कोलंबिया में ज्यादा फर्क महसूस नहीं होता, बशर्ते कि आप दुनिया के उस सबसे बड़े धनवान और क्रूरतम ड्रग माफिया के बारे में जानते हों।

कोलंबिया के रियोनेग्रो में 1 दिसंबर 1949 को जन्मा पाब्लो एमिलियो एस्कोबार गैविरिया अब तक इतिहास का सबसे कामयाब और धनाड्य ड्रग माफिया है। उसने कोकीन की तस्करी से इतना अधिक पैसा बनाया था कि साल 1989 में फ़ोर्ब्स पत्रिका ने उसे 25 बिलियन अमेरिकी डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया का सातवां सबसे अमीर व्यक्ति घोषित किया था।

कोलंबिया में मेडेलिन के पास एक छोटे से शहर में एक स्कूल शिक्षक मां और किसान बाप के छह बच्चों में से एक पाब्लो और उसके भाई को पास में जूते न होने के कारण स्कूल से लौटा दिया गया था। उसे पैसे के अभाव में यूनिवर्सिदाद डी एन्तियोकिया से राजनीति विज्ञान में ग्रेजुएशन के दौरान अपनी पढ़ाई अधूरी छोड़नी पड़ी थी।

अपने जीवन की शुरुआत में वह कब्रों से पत्थर व तरह-तरह की अन्य चीजें चुराकर तस्करों को बेचता था। इसके बाद 20 वर्ष की उम्र आते-आते पाब्लो ने प्रतिबंधित सिगरेट व नकली लॉटरी टिकट बेचने, कार चुराने के अलावा कई तरह के गैरकानूनी कामों की शुरुआत की। फिर उसने जल्द से जल्द अमीर बनने के लिए नशीली दवाओं के कारोबारी अलवारो प्रेटो के साथ काम किया और मात्र 2 साल में करोड़पति बन गया।

इसके बाद एस्कोबार ने प्रेटो से अलग होकर जल्दी ही ड्रग माफिया के मेडेलिन कार्टेल को संगठित कर कोलंबियाई सीमाओं के पार समुद्री तथा वायु मार्ग से पेरू, इक्वाडोर और बोलीविया सहित अमेरिकी और यूरोपीय महाद्वीप के विभिन्न देशों में कोकीन के धंधे को बढ़ावा दिया। एक समय दुनिया भर में फैले कोकीन के कारोबार में से 85 फीसदी पर अकेले पाब्लो का कब्ज़ा था।

वह सरकार की ड्रग्स सम्बंधी नीतियों तथा योजनाओं की टोह लेता रहता था। वह अपने कारोबार के विस्तार के लिए नियमित रूप से अधिकारियों, न्यायाधीशों, पुलिस और पत्रकारों को लाखों डॉलर के तोहफे तथा नकदी बतौर नजराना देता था।

पाब्लो अपनी काली कमाई से स्कूलों व गिरजाघरों के निर्माण के अलावा गरीबों को पैसा बांटता था। मेडेलिन की गरीब जनता उसकी पहरेदारी करती थी और युवा उसके विश्वासपात्र मुखबिर हुआ करते थे।

पाब्लो एस्कोबार के एकाउंटेंट रॉबर्टो के अनुसार पाब्लो को नोटों की गड्डियां बांधने के लिए हर हफ्ते एक हजार डॉलर के रबर बैंड खरीदने पड़ते थे। चूंकि वह अपनी काली कमाई को बैंकों में नहीं रख सकता था, इसलिए इसे गोदामों और गड्ढों में रखा जाता था। इस कारण इस नकदी का 10 फीसदी करीब 1 मिलियन डॉलर प्रतिवर्ष चूहे नष्ट कर देते थे।

उसके पास असंख्य लग्जरी गाड़ियां, आलीशान घर और दफ्तर हुआ करते थे। उसने 1975 में अमेरिका में कोकीन की खेप पहुंचाने के लिए अपना खुद का विमान उड़ाया और बाद में इस विमान को अपने फार्म हाउस के आंगन में टांग दिया। अपने चरमोत्कर्ष के दौरान पाब्लो का मेडेलिन ड्रग कार्टेल एक दिन में प्रायः 15 टन कोकीन की तस्करी करता था, जिसकी उन दिनों अमेरिका में आधा बिलियन डॉलर से ज्यादा कीमत थी।

ड्रग तस्कर पाब्लो एस्कोबार कोलंबिया में अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी व्यक्ति था और कोलंबिया की राजनीति के शीर्ष पर पहुंचने का सपना देखने लगा था। उसने महसूस किया कि उसके पास राजनीतिक शक्ति नहीं है तो पैसा तो पर्याप्त है। इसलिए उसने अपने राजनीतिक मंसूबे पूरा करने के लिए अपनी अकूत दौलत के बल पर साल 1986 में कोलंबिया का 10 बिलियन डॉलर का विदेशी कर्ज चुकता कर देने का प्रस्ताव सरकार के सामने रखा। धन और चालबाजियों के बल पर वह गणतंत्र की कांग्रेस तक पहुंच गया। जहां जाकर उसका देश की केंद्रीय सत्ता पर सीधी पकड़ होना निश्चित थी।

इससे पाब्लो को रोकने के लिए पूरे कोलंबिया में उसकी मुखालिफत करने वाले अकेले अखबार ‘एल एस्पक्टाडोर’ के संपादक गिलेरमो कानो ने अभियान छेड़ दिया। बौखलाये पाब्लो ने उसके दफ्तर को बम से उड़ाने के अलावा गिलेरमो को मरवा दिया। पाब्लो ने अपना वर्चस्व बनाये रखने के लिए कई मंत्रियों, राजनेताओं, न्यायाधीशों, अधिकारियों, पुलिसकर्मियों, पत्रकारों और तस्करों की हत्याएं करवाईं। यहां तक कि उसने चार राष्ट्रपतियों का जीवन दुःस्वप्न बना दिया, अधिकारियों में घुसपैठ की और पूरी दुनिया को चुनौती दी। उसके साथ हुई खूनी जंग में सिर्फ साल 1991 में ही 700 से ज्यादा लोग मारे गए थे। दुस्साहसी पाब्लो ने ड्रग्स तस्करी के साथ-साथ अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति में बाधक बने राष्ट्रपति पद के एक उम्मीदवार लुइस कार्लोस गैलान की चुनाव सभा में बम विस्फोट से हत्या करवा दी और कोलंबिया का राष्ट्रपति बनने के सपने देखने लगा। इन हत्याओं के बाद कोलंबिया का शासन-प्रशासन एस्कोबार के पूरी तरह खिलाफ हो गया।

पाब्लो एस्कोबार को सरकार ने सुधरने का एक मौका दिया। उसने खुद को अमेरिका प्रत्यारोपित किये जाने से बचने के लिए जेल जाना स्वीकार किया तो वह राजाओं के महल जैसी सुख-सुविधाओं से लैस अपनी ही निजी जेल ‘ला कैटेड्रल’ में खुद को कैद करने को राजी हो गया परंतु वहां से भी वह अपनी गतिविधियां निर्बाध रूप से जारी रखे हुए था। जब उसके खिलाफ कार्रवाई की गई तो जेल से भाग कर राज्य, शासक वर्ग और पूरे देश के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दी।

उसे हराने के लिए सरकार ने एक शक्तिसम्पन्न आधुनिक संसाधनों से लैस समूह का गठन किया। रेडियो ट्राएंगुलेशन तकनीक के इस्तेमाल से कोलंबियाई पुलिस ने उसकी लोकेशन पता लगाया था और घेराबंदी कर दी।

इसी दौरान मेडेलिन के एक घर में छिपे पाब्लो और उसके अंगरक्षक को 2 दिसंबर, 1993 को पुलिस के साथ हुई फायरिंग में गोली मार कर खत्म कर दिया।

अपनी मृत्यु के समय पाब्लो अपनी पत्नी मारिया विक्टोरिया और बच्चों जुआन पाब्लो और मैनुएला के लिए एक ग्रीक किले का निर्माण करवा रहा था। तमाम तरह के चढ़ाव-उतारों से भरे पाब्लो एमिलियो एस्कोबार गैविरिया के सफर का विस्तृत विवरण उसके भाई रॉबर्टो एस्कोबार की किताब ‘द एकाउंटस स्टोरी’ में मिलता है।

अब एक ही खेप में जिस गति से और जितनी बड़ी मात्रा में अरबों-खरबों रुपये मूल्य की ईरान, अफगानिस्तान के रास्ते देश में लाई गई नशीली दवाओं की खेप आये दिन पकड़ी जा रही हैं उससे यह अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है कि ऐजेंसियों की पकड़ से छूट/बच जाने वाली ड्रग्स कितनी हो सकती है। जिसे देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंचा कर देश को भयानक हानि पहुंचाई जा रही है।

दूसरी ओर सरकार कम मात्रा में निजी उपयोग के लिए ड्रग्स रखने को अपराध के दायरे से बाहर रखने जा रही है। ताकि लोग बेखटके इसका इस्तेमाल कर सकें। इसके लिए संसद के अगले सत्र में विधेयक लाने की तैयारी है।

इससे भी दुखदाई यह है कि देश में न तो कोई गिलेरमो कानो जैसा पत्रकार दिखाई देता है और न ही लुइस कार्लोस गैलान जैसा ईमानदार, निर्भीक और देश के प्रति प्रतिबद्ध राजनेता। इससे देश के जल्दी ही पाब्लो एस्कोबार का कोलंबिया जैसा बन जाने की पूरी सम्भावना है।

हरियाणा व कश्मीर के चुनाव

भा प्र से अधिकारी घोर भ्रष्ट, करेंगे हर प्रकार की जालसाजी

कयास, टीवी चैनल, समाचार पत्र, राजनैतिक दलों के अनुमानों कै हर बार ईवीएम ने झुठलाया

उत्तरी भारत में दो विधानसभाओं हरियाणा और कश्मीर के वोट डाले जा चुके हैं और भाजपा कांग्रेस आप पीडीपी सभी अपने जितने के अनुमान और मंसूबे पाले बैठे हैं।

जब तक केंद्र में भाजपा की आपराधिक मानसिकताके के मोदी अमित शाह से लेकर अधिकांश अपराधिक सांसदों की सरकार है। जो पूरी प्रशासनिक लाबी से लेकर न्यायालयीन व्यवस्था तक को डरा धमका अपनी तरह से नचा रही है। जिसने बहुराष्ट्रीय कंपनी और पूंजी पतियों के सर पर नाच कर पूरे देश में हर तरह की बर्बादी करने, पूरे देश की अर्थव्यवस्था को चौपट करना, सारी सरकारी संपत्तियों तेल, भेल, गेल, सेल, बेल, रेल व इसके स्टेशनों, पटरियों, को बेंचने रखरखाव को मित्रों को सौंपने, भूमियों को, हवाइअड्डों, बदरगाहों, भारत संचार निगम को ओने पोने में मोटा कमीशन हजम कर बैंचने, गिरवी करने पट्टे पर देने और छल कपट, वाचालता से न केवल सफाई कैशलेस नोटबंदी जीएसटी तालाबंदी करवा कर 40 करोड लोगों को बेरोजगार बना 100 करोड लोगों को भिखारी बना रु. 1 किलो का गेहूं और दो रुपए किलो का चावल बांट रही है। से यह उम्मीद करना की वह सत्ता का दुरपयोग करते हुए अपने रूप वसूली डकैती भ्रष्टाचार के कांडो को छुपाने चुनावों में पूर्व की तरह हर प्रकार की फर्जी वोटिंग करवाने, गिनती के समय एक्सेल शीट ना बना भारतीय प्रताड़ना सेवा के अधिकारियों से डरा धमका जालसाजी करवा कर हरियाणा और कश्मीर का चुनाव जीतने का षड़यंत्र नहीं करेगी संभव ही नहीं।

कुछ नहीं 10 सालों से लगातार ईवीएम हटाने के लिए कहने के बाद में भी इसके सभी घोर लालची मक्कार जालसाज राजनीतिक दल छद्म लाभ प्राप्ति

एग्जिट पोल 2024 | पोल ऑफ पोल्स

हरियाणा 13 एजेंसी का सर्वे	भाजपा+	कांग्रेस+	अन्य
	26	57	7

कुल सीट : 90 | बहुमत : 46

जम्मू-कश्मीर 10 एजेंसी का सर्वे	भाजपा+	NC+कांग्रेस	PDP	अन्य
	28	41	10	11

की इच्छापले हुए हैं जबकि जनता उसे हटाने के लिए बार-बार कह रही है।

जब तक इवीएम है, कांग्रेसियों बिना इवीएम हटाए, गिनती के दिन मशीनों के खुलने के बाद हर कमरे में लगी मशीनों के प्राप्त परिणामों की सारणी को हर कक्ष के बाद हर चक्र के बाद समी चक्रों की जब तक बिना एक्सेल शीट बनवाएं आंख मींचकर स्वीकार करेंगे तब तक, है कांग्रेसियों सत्ता की तरफ आंख उठाकर मत देखना।

सभी कांग्रेसी कार्यकर्ता जो चुनावों के दिन पोलिंग एजेंट बनकर बैठते हैं इतनी मक्कार और सूअर होते हैं, कि वह खाने पीने के मामले में भेडियो द्वारा उपलब्ध करवाया चाय भोजन नाश्ता आदि के चक्कर में वोटिंग पर ध्यान ही नहीं देते। जबकि वह आसानी से बूथ अधिकारी कर्मचारी को धन दे, डरा धमका कर 20 से 30% तक फर्जी वोटिंग करवा देते हैं।

दूसरी तरफ पूरे देश में कांग्रेस इसलिए नहीं आ रही की जनता ने उसे हराया जनता ने तो उसे जिताया था। पर ना तो इवीएम हटवाई न हीं ढंग से गिनती करवाई न हीं हर कक्ष की, फिर सभी कक्षों के हर चक्र की और अंत में सभी कक्षों के सभी चक्रों की सकल महायोग की वर्गीकृत सारणी बिना बनायै ही कलेक्टर के अंडर में काम करने वाले एडीएम और एसडीएम छुप कर अपने मन से बिना कक्ष, फिर सभी कक्षों के हर चक्र की और फिर बाद में बिना सभी चक्रों के वोटो की गिनती की वर्गीकृत सारणी या एक्सेल शीट बनवाये बिना ही मन से आकाओं के द्वारा डराने धमकाने जालसाजी करने की खुली छूट देकर पूरी जालसाजी जी से सरपंचों से लेकर पार्षद विधायक और सांसद के चुनाव परिणाम घोषित किए जाते हैं। कुछ लोगों को जानबूझकर इस जिताया जाता है ताकि ज्यादा हो हल्ला ना मचे। यह बात सन 2014 से लेकर अभी तक में लगातार कह रहा हूं पर कांग्रेसी निकंमों को छोटे से कार्यकर्ता से लेकर जिला अध्यक्ष प्रदेश अध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे व राहुल गांधी तक किसी को समझ में नहीं आ रही।

जबकि दबी छुपी जुवान में सारे सरकारी अधिकारी कर्मचारी जो इस सच को समझते हैं। इस सच को न केवल स्वीकार करते हैं और मानते हैं कि पूरा फर्जीवाड़ा हर कदम कदम पर वोटो की गिनती में पूरे देश में हो रहा है। अनीता भूतों की गिनती में ईमानदारी से करने और एक्सेल शीट बनाने पर लगभग 36 से 48 घंटे तक लगा सकते हैं पर 6 घंटे में ही परिणाम सामने आ जाते हैं।

विश्व में सबसे ज्यादा ठगी रत्नों, स्वर्ण रजत प्लैटिनम के आभूषणों में

अरबों की दुकान करोड़ों रुपए के विज्ञापन, वसूली ग्राहकों से ठगी से ही

नेत्र चुंधियाती बड़ी दुकान, बड़ा ठगोरा इंसान, स्वर्ण व रत्नों के आभूषण में सबसे ज्यादा लूट

विश्व भर में भारत ही एकमात्र राष्ट्र है जहां सनातन धर्म के वर्ष भर त्योहारों की व नवंबर से जुलाई तक 9 माह शादी विवाह की बहार छाये रहने से वर्ष भर ग्राहक बाजार में बना रहता है जो अपने आप में पूरे विश्व के अमेरिका चीन जापान कोरिया ताइवान आदि देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उपभोक्ता वस्तु इलेक्ट्रॉनिक गुड्स मैं मोबाइल लैपटॉप से लेकर करोड़ों रुपए की घड़ियों, स्वर्ण प्लैटिनम हीरे पन्ने मानिक आदि रत्नों व उनके आभूषणों से लेकर कारों, मोटरसाइकिलों के उत्पादन व बिक्री की बाजार की व्यवस्था को अकेले ही चलाता रहता है।

विश्व भर की अमेरिकी चीनी स्वीटजरलैंड आदि की बहुराष्ट्रीय कंपनियां जो अपना माल भारत में भेजते हैं अपने माल की कई गुना कीमत निर्धारित करके अपने तरीके से लूटती भी हैं। चाहे फिर इस में अमेरिकी कंपनी का आईफोन, आडी कारें, स्विट्जरलैंड की राडो जैसी करोड़ों रुपए की घड़ियां हों।

भारत में अनादि काल से वर्तमान तक सबसे ज्यादा लूट रत्नों स्वर्ण रजत प्लैटिनम आदि धातुओं के आभूषण विक्रेता जिसमें अब भारत की बहुराष्ट्रीय विभिन्न तरह की सेवाएं और उत्पादन करने वाली टाटा रिलायंस जैसी घोर डकैती डालने वाली कंपनियां भी देश के अधिकांश महानगरों में अपनी आभूषण की दुकान खोले बैठे हैं।

बेशक रत्नों व स्वर्ण रजत प्लैटिनम आदि के आभूषण विक्रेता चाहे कितना भी बड़ा हो या कितना भी सड़क पर दुकान लगाकर अंगूठी बनाने वाला सुनार कितना भी छोटा हो जालसाजी ठगी और लूट हर स्तर पर हर क्रेता के साथ उसकी दुकान के स्तर के अनुसार की ही जाती है।

अर्थात जो जितना बड़ा चमक धमक वाला शोरूम वाला दुकानदार वह उतना बड़ा ठग भी होता है।

ऐसा नहीं है कि इस पर सरकार की नजर नहीं हो। इस सर्वमान्य सर्वव्यापक ठगी को रोकने के लिए पहले आइएसआइ और बाद में बीआइएस हॉलमार्क एचयूआईडी जैसे संस्थान जनता के साथ इस प्रकार की ठगी रोकने के लिएही बनाए हैं परंतु हर शासकीय संस्थान में पदों पर बैठा भी एक इंसान ही है। इन आभूषण विक्रेताओं के साथ मिलकर लेनदेन कर खुले में सारे स्तरीय होने का प्रमाण पत्र देकर जनता को लुटवाते रहते हैं जनता के साथ भारत मेंकिस प्रकार से यह आभूषण विक्रेता ठगी करते हैं इसके बारे में वैसे तो बहुत सारी ठगी के किस्से हर आभूषण विक्रेता के साथ चलते ही रहते हैं।

साप्ताहिक
समय माया
samaymaya.com

करोड़ों किसानों मजदूरों छोटे व्यवसायियों उद्योगों, सरकारी कर्मचारियों अधिकारियों ठेका संविदा कर्मियों के हितों की रक्षा व देशी विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के षड्यंत्रों के विरुद्ध पिछले 25 वर्षों से संघर्षरत

साप्ताहिक समयमाया समाचार पत्र व samaymaya.com की वेबसाइट पर समाचार, शिकायतें और विज्ञापन (प्रिंट एवं वीडियो) के लिए संपर्क करें

मप्र के समस्त जिलों में एजेंसी देना है एवं संवाददाता नियुक्त करना है

मो. 9425125569 / 9479535569

ईमेल: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक- अजमेरा एस.पी. कुमार द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 299, अम्बेडकर नगर, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादकः अजमेरा एस.पी. कुमार, मो. 9425125569, भोपाल प्रतिनिधि- एस.के. भारद्वाज मो. 9425637958